youtube.com/dhurandhar times
twitter.com/dhurandhar times
facebook.com/DHURANDHAR TIMES
www.dhurandhartimes.com 9015441661, 8700925835 मूल्य: ₹ 2/- संपादक- धुरन्धर चौहान

# धुरन्धर टाइम्स

वर्ष :9, अंक : 01, नई दिल्ली, जुलाई 2024

परिवर्तन की ओर...

dhurandhartimes@gmail.com मासिक RNI : DELHIN/2016/71837 दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी मासिक समाचार पत्र

## एक नजर

### काशी विश्वनाथ में भी हुआ सोना घोटाला : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

**वाराणसी,एजेंसी।**

ज्योतिर्मय मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने एक बार फिर बड़ा दावा किया। दिल्ली में उन्होंने कहा- सिर्फ बाबा केदारनाथ धाम से ही नहीं, बाबा विश्वनाथ समेत देश के और कई मंदिरों से भी सोना घोटाला हुआ है। काशी विश्वनाथ के गर्भगृह में कैसा सोना है, जो 6 महीने में पीतल हो गया। भगवान के साथ अगर छल हुआ है, तो सामने आना चाहिए। 10 दिन पहले अविमुक्तेश्वरानंद ने केदारनाथ से 228 किलो सोना चोरी होने का खुलासा किया था। वे अपने उस दावे पर आज भी कायम हैं। उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री ने अभी नहीं बोला है, मगर एक वक्त आएगा, बोलना ही पड़ेगा। बात सिर्फ केदारनाथ की नहीं, बात तो विश्वनाथ मंदिर की भी है। उनके गर्भगृह में भी सोना ऐसे ही लगाया गया है। और भी कई मंदिरों में इस तरह से सोना लगाया गया है। अब तो बात आगे बढ़ गई है। स्वामी एक निजी मीडिया से बात कर रहे थे।

**जांच की मांग पर बदनाम करते हैं**

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- ये क्या है, कोई व्यक्ति अचानक सामने आता है, वो सभी मंदिरों में जाकर सोना मढ़ देता है। हमारे राजा रणजीत सिंह ने काशी विश्वनाथ के ऊपर सोना मढ़वाया था। कितने साल हो गए? धूप लग रही है, ताप लग रही है। सोने की चमक कम नहीं हो रही है। लेकिन, गर्भगृह में लगे सोने की चमक कम हो गई है। हम इसकी जांच की मांग कर रहे हैं। लेकिन, हमें ही आरोपी बनाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भगवान के साथ अगर कहीं छल हुआ है, तो उसे सामने आना चाहिए। क्योंकि ध्यान दिलाने के बावजूद समितियां जांच करने को तैयार नहीं है।

### आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई बस, 3 की मौत, 87 घायल

**फिरोजाबाद,,एजेंसी।**

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात भीषण सड़क हादसे में एक बस रेत (बालू) से भरे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 87 लोग घायल हो गए। ये घटना थाना नगला खगर क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के पिलर-59 के पास हुई। यात्रियों से भरी बस बहराइच से दिल्ली जा रही थी। बताया जा रहा है कि चालक को अचानक नींद का झपका आ गया और बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बस चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बस में सवार 87 लोग घायल हो गए। बता दें कि बस में 150 लोग सवार थे। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्होंने सभी घायलों को सैफई और शिकोहाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया है।

फिरोजाबाद के एसपी ने बताया कि बुधवार देर रात एक बजे के आसपास उन्हें हादसे की जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है

# दरबार हॉल अब, गणतंत्र और अशोक हॉल अशोक मंडप हुआ

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बदला नाम

**नई दिल्ली,एजेंसी।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों - दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया है। भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक और लोगों की एक अमूल्य विरासत है। राष्ट्रपति भवन के वातावरण को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास हो रहे है।

राष्ट्रपति का कार्यालय की ओर से बताया गया कि दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों और उत्सवों का स्थल है। दरबार शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों की अदालतों और सभाओं से है, भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई। गणतंत्र जनतंत्र की अवधारणा प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में गहराई से जुड़ी है, इसलिए गणतंत्र मंडप इस आयोजन स्थल के लिए एक उपयुक्त नाम है। अशोक मॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था।

**अशोक शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो सभी कष्टों से मुक्त हो या जो किसी भी दु:ख से रहित हो इसके अलावा, अशोक सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है, यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक मान्यताओं में गहरा महत्व है।**

अशोक शब्द का अर्थ है वह व्यक्ति जो सभी कष्टों से मुक्त हो या जो किसी भी दु:ख से रहित हो इसके अलावा, अशोक सम्राट अशोक को संदर्भित करता है, जो एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ से अशोक का सिंह शीर्ष है, यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक मान्यताओं में गहरा महत्व है। परंपराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति भी।

# लोकसभा अध्यक्ष बिरला की सांसदों को चेतावनी, भूलकर भी आसन को चुनौती ना दें

**नई दिल्ली,एजेंसी।**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अभिजीत गंगोपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में गुरुवार को सदस्यों से कहा कि वे सदन की मयार्दा रखें और आसन को चुनौती नहीं दें। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर कांग्रेस सदस्यों ने गंगोपाध्याय की आपत्तिजनक टिप्पणी का विषय उठाया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, कोई भी सदस्य सदन की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली टिप्पणी करे, वे दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना था, सदस्य चाहे सत्तापक्ष का हो या विपक्ष का हो, अगर वे सदन की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली टिप्पणी करते है, तब शब्दों को कार्रवाई से हटाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उचित कार्रवाई करने या उचित टिप्पणी करने का अधिकार भी अध्यक्ष को है। रीजीजू के अनुसार, जब गंगोपाध्याय ने

टिप्पणी की, तब वे लोकसभा में नहीं, बल्कि राज्यसभा में थे। बिरला ने कहा, इस सदन की एक मयार्दा है। उच्च परंपरा और परिपाटी रही है। मेरा सभी लोगों से आग्रह है कि सदन में अपनी बात रखें, चर्चा में भाग लें, लेकिन कोई ऐसी टिप्पणी नहीं करें जो संसद की मयार्दा और संसदीय परंपराओं के अनुकूल नहीं हो। बिरला का इशारा अभिषेक बनर्जी द्वारा सदन में की गई टिप्पणी की ओर था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदस्य जितना सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा रखते हैं, उतना ही उनके क्षेत्र में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सदन में केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा में भाग लेकर गंगोपाध्याय ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

उनके वक्तव्य के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने गोडसे को लेकर कोई टिप्पणी की, इसपर पलटवार कर गंगोपाध्याय ने उनके लिए एक आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया जिसका विपक्षी सदस्यों ने विरोध कर माफी की मांग की। दूसरी तरफ, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने बजट पर चर्चा में भाग लेकर नोटबंदी और लॉकडाउन का उल्लेख किया था, तब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा, वर्ष 2016 के बाद दो बार लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। आप बजट पर बात कीजिए। अध्यक्ष का इशारा 2019 और 2024 में हुए आम चुनावों में भी भाजपा नीत राजग के सत्ता में आने की ओर था। फिर बनर्जी ने किसी का नाम लिया, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा खड़ा कर दिया। इस पर बिरला ने कहा कि सदस्य उन लोगों के नाम नहीं लें जो सदन के अब सदस्य नहीं हैं। इस पर बनर्जी ने बिरला से कहा कि जब सत्तापक्ष के सदस्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम लेते हैं या देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का नाम लेते हैं, तब आसन उस पर कुछ नहीं

# आम आदमी परेशान

## पिछले दो माह में आलू-प्याज, टमाटर की कीमत 15 से 58 फीसदी तक

### सरकार ने संसद में कहा... महंगाई अस्थाई, कीमतें जल्द होंगी नियंत्रित

**नई दिल्ली,एजेंसी।**

देश में पिछले कुछ दिनों से सब्जियों के दाम आसमान छू रहे है। आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। टमाटर, प्याज और आलू जैसी जरूरी सब्जियों की खुदरा कीमत पिछले एक महीने में 15 फीसदी से 58 फीसदी तक बढ़ गई हैं। सब्जियों के बढ़ते दामों के पीछे मानसून के अलावा कई अहम कारण जिम्मेदार माने जा रहे है। हालांकि, केंद्र सरकार ने दावा किया है कि यह स्थिति अस्थाई है। आने वाले दिनों में कीमतें जल्द ही नियंत्रण में आ जाएगी। लेकिन सब्जियों के दाम तेजी से क्यों बढ़ रहे है? इसके पीछे सरकार ने ये वजह बताई है।

पिछले दिनों संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में केंद्र सरकार ने सब्जियों के बढ़ती हुई कीमतों की वजह बताई है। सरकार ने बताया है कि पिछले दो वर्षों में खराब मौसम, जलाशयों का गिरते स्तर और फसल नुकसान ने कृषि उत्पादन को प्रभावित किया है। इसी वजह से तेजी से खाद्य कीमतों के दाम बढ़ रहे है। खराब मौसम की स्थिति ने सब्जियों और दालों के उत्पादन की संभावनाओं को प्रभावित किया है।

# पुणे में मूसलाधार बारिश का कहर, चार लोगों की मौत, रेड अलर्ट जारी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में पुणे में बुधवार रात से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश की वजह से कई जगह बाढ़ जैसे हालात देखने को मिल रहे है। इस बीच खबर सामने आई है कि गुरुवार तड़के भारी बारिश के कारण पानी में डूबे ठेले को बाहर निकालने की कोशिश करते समय करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना डेक्कन जिमखाना इलाके में हुई। डेक्कन जिमखाना पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि तीनों बाबा भिड़े पुल के पास सड़क किनारे ठेले पर अंडे से बने खाद्य पदार्थ बेचते थे। भारी बारिश के कारण जब उनका ठेला पानी में डूब गया, तो वे मौके पर पहुंचे और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश करने लगे, इस दौरान तीनों को करंट लग गया। उन्होंने बताया कि तीनों व्यक्तियों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

महाराष्ट्र के पुणे शहर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जल भराव और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। शहर के कई

इलाकों में रात से बिजली भी नहीं है, और पुणे की लगभग 15 हाउसिंग सोसाइटी में बारिश का पानी घुस गया है। वही आज मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 18 जिलों में तेज बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।महाराष्ट्र के पुणे शहर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जल भराव और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है।

शहर के कई इलाकों में रात से बिजली भी नहीं है, और पुणे की लगभग 15 हाउसिंग सोसाइटी में बारिश का पानी घुस गया है। वही आज मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 18 जिलों में तेज बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

पिंपरी चिंचवड मे भी धेव्वाधार बारीष चल रही है , आलंदी मे इंद्रायणी नदी के पूल के उपर से पाणी बह रहा है , चाकण पूरा जलमय हो गया तलेगाव रोड पर पानी भर गया है। कई घरों में घुसा बारिश का पानी।

पुणे में बुधवार रात से लगातार बारिश हो रही है।

शहर के एकता नगर और शिवाजी नगर इलाके में बारिश का पानी घुस गया है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हिंगने खुर्द और साई नगर के कई घरों में पानी भर गया है। वडगांव शेरी, आनंद नगर बस स्टॉप पर एक वाहन पर एक पेड़ गिरा। वाहन में सवार स्कूली बच्चो सुरक्षित है।

## खराब मौसम के कारण फसलें खराब

रिपोर्ट में बताया गया है कि, देश में 2023-2024 में खराब मौसम की घटनाओं बहुत ज्यादा हुआ हैं। इससे फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। इसे अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में घटने जलाशय के स्तर ने भी कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इसलिए उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) पर आधारित खाद्य मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 22 में 3.8 प्रतिशत से बढकर वित्त वर्ष 23 में 6.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 24 में 7.5 प्रतिशत हो गई। आर्थिक सर्वे में बताया गया कि, जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में इजाफा हो रहा है। इसके अलावा क्षेत्र-विशिष्ट फसल पर रोग के कारण भी सब्जियों में सप्लाई में रुकावट आई है। इसी वजह से टमाटर में कीमतों में उछाल आया है। जबकि प्याज की कीमतों में उछाल की वजह पिछले कटाई सीजन में बारिश, बुवाई में देरी, लंबे समय तक सूखा और दूसरे देशों द्वारा व्यापार से जुड़े कदम उठाना है।पिछले दो सालों में प्रतिकूल मौसम की वजह से कम उत्पादन की वजह से दालों, खास तौर पर अरहर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। जबकि रबी सीजन में धीमी बुवाई और दक्षिणी राज्यों में जलवायु संबंधी गड़बड़ी की वजह से उड़द का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

## पेरिस ओलंपिक महाकुंभ

# भारतीय दल की अगुवाई पीवी सिंधू और शरत कमल ने की

### ओलंपिक के इतिहास में पहली बार सेरेमनी नदी पर आयोजित

**सेरेमनी परेड के दौरान भारतीय दल को फैंस का भरपूर सपोर्ट मिला।**

**फैंस खिलाड़ियों को चीयर करते नजर आए। 117 भारतीय एथलीट्स पेरिस ओलंपिक में 16 खेलों के 69 इवेंट में हिस्सा लेंगे और इस दौरान 95 मेडल दांव पर होंगे।**

**पेरिस,**

सेरेमनी के साथ ही ओलंपिक खेलों का आगाज हो गया और अब सभी का ध्यान खेलों पर होगा। हर खिलाड़ी चाहेगा कि वह ओलंपिक मेडल अपने गले में डाले और इसी सपने को सच करने के लिए हजारों खिलाड़ी पेरिस पहुंचे हैं। भारत के भी 117 खिलाड़ी खेलों के इस महाकुंभ में मेडल की रेस करते नजर आएंगे।

पेरिस ओलंपिक ओपनिंग सेरेमनी में भारतीय दल की अगुवाई दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू के साथ टेबल टेनिस स्टार शरत कमल ने की। ये दोनों भारतीय दल के ध्वजवाहक हैं। बोट पर पीवी सिंधु भारतीय तिरंगा पकड़े हुए थीं। डंडों के ऊपर खड़ी डांसर ने हवा में झूलते हुए शानदार प्रस्तुतियां दीं। उन्हें देखकर हर कोई हैरान था। सीन नदी के किनारे कलाकारों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। ऐतिहासिक इमारतों पर चढ़कर रॉक बैंड ने परफार्मेंस दी जोकि काफी मनमोहक थी।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल में 117 खिलाड़ी शामिल हैं। सेरेमनी में 78 खिलाड़ी शामिल हुए। भारतीय दल भी कश्ती पर सवार था। दल की फोटो सामने आई।कुछ खिलाड़ी शनिवार को इवेंट होने के कारण इसमें शामिल नहीं हुए, तो कुछ अभी पेरिस नहीं पहुचे हैं। ओलंपिक के 128 साल के इतिहास में पहली बार ओपनिंग सेरेमनी स्टेडियम में नहीं हुई। पेरिस ओलंपिक ओपनिंग सेरेमनी नदी में आयोजित की गई। सेरेमनी परेड के दौरान भारतीय दल को फैंस का भरपूर सपोर्ट मिला। फैंस खिलाड़ियों को चीयर करते नजर आए। 117 भारतीय एथलीट्स पेरिस ओलंपिक में 16 खेलों के 69 इवेंट में हिस्सा लेंगे और इस दौरान 95 मेडल दांव पर होंगे।

# (विचार-मंथन)

## राजस्थान भाजपा में उठने लगे बगावत के स्वर

लोकसभा चुनाव के बाद राजस्थान भाजपा में जमकर उठा पटक मची हुई है जो भविष्य में आने वाले तूफान के संकेत दे रही है। राजस्थान के कृषि मंत्री डा. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने सरकारी गाड़ी व अन्य सरकारी सुविधाएं भी लौटा दी है। यहां तक की डा. किरोड़ी लाल मीणा बजट सत्र में भी विधानसभा में नहीं आने की घोषणा कर चुके हैं। डा. किरोड़ी लाल मीणा भाजपा के कद्दावर नेता हैं और राजस्थान में संघर्ष के प्रतीक रहे हैं। सरकार में हो या विपक्ष में वह अपनी बात पूरी मुखरता से रखने के लिए जाने जाते हैं।

डॉ. किरोडी लाल मीणा मंत्रिमंडल के गठन के वक्त से ही नाराज बताए जा रहे हैं। मंत्रिमंडल के गठन के वक्त उन्हें उनकी वरिष्ठता के अनुरूप महत्व नहीं मिला था। जिसके चलते वह अंदर खाने नाराज चल रहे थे। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी का इजहार कर दिया। डॉ. किरोडी लाल मीणा दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर चुके हैं। उसके उपरांत भी उन्होंने अपना मंत्री पद से इस्तीफा वापस नहीं लिया है। कहने को तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी कहते हैं कि किरोड़ी लाल मीणा पार्टी से नाराज नहीं है और वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में है। मगर हकीकत में ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। बजट सत्र में भी विधानसभा नहीं आकर डा. किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी नाराजगी खुलकर जता दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया अपने उपेक्षा से पहले से ही दुखी है। गाहे बेगाहे अपनी नाराजगी जाहिर करती रहती है। विधानसभा में भी वसुंधरा समर्थक विधायक सरकार को जमकर घेर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद वसुंधरा राजे को पूरी आशा थी कि उन्हें तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। मगर जिस प्रकार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जेब से पर्ची निकाल कर वसुंधरा राजे से नए मुख्यमंत्री के लिए भजनलाल शर्मा के नाम की घोषणा करवाई। उससे वसुंधरा राजे की आम जनता में काफी फजीयत हुई थी। जिसे वसुंधरा अभी तक भूल नहीं पाई है।

लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 11 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की हार से जहां केंद्र में भाजपा कमजोर हुई है वही राजस्थान में तो भाजपा सरकार के मुखिया भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी सहित अन्य सभी अग्रिम पंक्ति के नेताओं की जमकर किरकिरी हुई है। केंद्र सरकार में तीसरी बार मंत्री बने अर्जुन राम मेघवाल बीकानेर लोक सभा सीट से महज 55711 वोटो के अंतर से जीत सके हैं। जबकि 2019 में वह 264081 व 2014 के चुनाव में 308079 वोटो के अंतर से चुनाव जीते थे। इस तरह देखे तो इस बार अर्जुन राम मेघवाल ने बहुत ही मुश्किल से चुनाव जीता है। जबकि उनके पड़ोस की श्रीगंगानगर, चुरु, झुंझनू, सीकर सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की हार हुई है।

इसी तरह तीसरी बार केंद्र सरकार में मंत्री बने गजेंद्र सिंह शेखावत की स्थिति भी कोई बेहतर नहीं रही है। उन्होंने कांग्रेस के अनजान से प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा को 115677 वोटो से हराया है। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तब के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को 274440 वोटो से व 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की कैबिनेट मंत्री चंद्रेश कुमारी कटोच को 303464 वोटो से चुनाव हराया था। इस बार के चुनाव में गजेंद्र सिंह का प्रभाव भी कम हुआ है। गजेंद्र सिंह के पड़ोस की बाड़मेर-जैसलमेर, नागौर, सीट पर भाजपा चुनाव हार गई है। जबकि पिछली बार यह सभी सीट भाजपा के पास थी। गजेंद्र सिंह शेखावत का शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ से चुनाव पूर्व हुआ विवाद भी खास सुर्खियों में रहा था। बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर तो भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी तीसरे स्थान पर रहें थे। उन्हें मात्र 16.99 प्रतिशत यानि 286833 वोट ही मिल पाए थे। जबकि 2019 का चुनाव कैलाश चौधरी ने 323808 वोटो से जीता था। तब उन्हें 846526 वोट मिले थे।

लोकसभा चुनाव में चूरू सीट पर भाजपा सांसद राहुल कस्वां का टिकट काटे जाने से जाटों में भाजपा के प्रति काफी नाराजगी व्याप्त हो गई थी। जिसका खामियाजा उन्हें जाट बहुल अधिकांश सीटों पर हार कर चुकाना पड़ा था। पिछली बार भाजपा के पांच सांसद जाट वर्ग से थे। जबकि अबकी बार अजमेर से भागीरथ चौधरी जीत पाए हैं। लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी अपने पुत्र के झालावाड़ संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रही थी। उन्हें स्टार प्रचारकों की सूची में तो शामिल किया गया था। मगर चुनाव प्रचार के लिए कहीं नहीं भेजा गया। सीकर से दो बार भाजपा सांसद रहकर पिछला चुनाव हार चुके स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने खुलकर कहा है कि यदि वसुंधरा राजे से चुनाव प्रचार करवाया जाता तो नतीजे हटकर मिल सकते थे।

झुंझुनू से भाजपा टिकट पर चुनाव में पराजित हुए शुभकरण चौधरी ने अपनी हार का कारण अग्निवीर योजना को बताया था। भाजपा के बहुत से नेताओं का मानना है कि राजस्थान से सेना में सर्वाधिक नवयुवक भर्ती होते हैं। अग्निवीर योजना आने के बाद राजस्थान के युवाओं में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही है। कांग्रेस ने वायदा किया था कि उनकी सरकार बनने पर अग्निवीर योजना बंद कर देगी। इससे बड़ी संख्या में नवयुवकों ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया। चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं भी सभी 25 संसदीय सीटों पर प्रचार के लिए नहीं पहुंच सक थे। मुख्यमंत्री स्वयं चुनाव के दौरान व्यवस्थित ढंग से चुनाव प्रचार नहीं कर सके। इसी के चलते अपने गृह जिले भरतपुर की लोकसभा सीट भी हार गए। कोटा जैसी भाजपा की मजबूत सीट पर भी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस बार महज 41974 वोटो के अंतर से ही जीते हैं। जबकि पहले के चुनाव में उनकी जीत का अंतर लाखों वोटो में होता रहा था।

राजस्थान में भाजपा की सरकार बने सात महीने से अधिक का समय हो चुका है। मगर अभी भी सरकार पर मंत्रियों की पकड़ नहीं बन पाई है। अधिकारी वर्ग मंत्रियों की बातों को अधिक तवज्जो नहीं देते हैं। जिसके चलते मंत्रियों द्वारा आम जनता मे की गई घोषणाएं पूरी नहीं होने से उनकी स्थिति हास्याद पद बन जाती है। अभी राजस्थान में मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष एक ही जाती के हैं। विभिन्न निगम, बोर्ड, आयोग, मण्डलों में भी अभी तक या तो पीटे हुए मोहरों को या अधिकारियों को ही नियुक्ति दी गई है। जमीन पर काम करने वाले कार्यकताओं को तवज्जो नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द वही चौकड़ी रहती है जो उनके प्रदेश महामंत्री रहते उनके साथ रहती थी। इससे आम जनता में सरकार की छवि खराब हो रही है।

अगले कुछ महीनो में प्रदेश की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। पांच में से भाजपा के पास एक भी सीट नहीं थी। लेकिन यदि भाजपा इन पांच सीटों को फिर से हार जाती है तो मुख्यमंत्री की नकारात्मक छवी बनेगी। इसलिए सरकार के समक्ष सभी पांच विधानसभा सीटों के उपचुनाव में जीतना एक मजबूत चुनौती बन गई है। भाजपा यदि पांचों सीटों पर उपचुनाव में जीत जाती है तो लोकसभा चुनाव की हार का गम कुछ कम होगा।

# राजद के वोट बैंक के दावे को आईना

कुमार कृष्णन

बिहार के पूर्णिया के रुपौली चुनाव परिणाम ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कहीं न कहीं पूर्णिया की जनता दलगत राजनीति से ऊपर उठकर स्थानीय मुद्दों और विकास पर वोट कर रही है। यही वजह है कि जनता ने पूर्णिया लोकसभा परिणाम की तरह इस बार भी जदयू-राजद के उम्मदीवारों को छोड़ निर्दलीय उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। दरअसल जिस तरह हाल ही में पूर्णिया सीट पर बतौर निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव ने जीत हासिल की थी। उसी तरह इस बार भी बिहार की एकमात्र विधानसभा सीट रुपौली पर हुए उपचुनाव के रोमांचक मुकाबले में निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने बाजी मार ली है। शंकर सिंह की जीत ने ये भी बता दिया है कि कोई जरूरी नहीं कि किसी खास पार्टी के पक्ष में लोगों का मत बने।

इस उपचुनाव में नीतीश कुमार की रणनीति नहीं चली। बीमा भारती के राजद में जाने के बाद ही जदयू के रणनीतिकार ने रूपौली को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। पर रूपौली की जनता को निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह की लगातार मौजूदगी पसंद आई। यह ऐसी पसंद बनी की सरकार की सारी रणनीति नाकामयाव हो गई। उनकी जीत के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा की। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह, जीतन राम मांझी ,चिराग पासवान, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, राज्य सरकार के मंत्री डॉ. अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मदन सहनी सहित कई मंत्रियों ने मंडल के पक्ष में प्रचार किया।वहीं दूसरी ओर रुपौली में शंकर सिंह की जीत ने राजद के अपने वोट बैंक (मुस्लिम-यादव) की गोलबंदी के दावे की पोल खोलकर रख दी है।

इस चुनाव में सबसे ज्यादा नुकसान बीमा भारती का हुआ है। बीमा भारती ही यहां से पहले जदयू की विधायक थी। लेकिन बाद में वह राजद में शामिल हो गई, जिसके बाद सीट खाली हो गई। बीमा भारती ने पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव भी लड़ा लेकिन करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने उनपर भरोसा कायम रखा और राजद ने उन्हें फिर रुपौली से विधानसभा का टिकट दे दिया, लेकिन यहां भी वह तीसरे स्थान पर ही रहीं लेकिन, सवाल यह कि मजबूत सामाजिक आधार वाले राजद के टिकट पर बीमा भारती क्यों और कैसे हार गईं?

रुपौली विधानसभा उपचुनाव के फाइनल राउंड यानी 12 वें राउंड की मतगणना में निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह 8211 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह को मिला 67779 वोट मिले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर जदयू प्रत्याशी कलाधर मंडल को 59568 वोट और तीसरे नंबर पर राजद प्रत्याशी बीमा भारती को मिला 30108 वोट प्राप्त हुए हैं। हैरंतगेज बात है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पूरा जोर लगाने के बाद भी निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह को नहीं हरा सके। चुनाव जीतने के बाद समर्थकों में जश्न का माहौल है। शंकर सिंह लिब्रेशन आर्मी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 2000 में नार्थ लिब्रेशन आर्मी के संस्थापक बूटन सिंह की हत्या के बाद शंकर सिंह ने इसकी कमाल संभाली। यहीं से उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत की थी। इस संगठन को राजपूत मिलिशिया भी कहा जाता है।रूपौली विधानसभा से शंकर सिंह का लगाव काफी पुराना है। फरवरी 2005 विधानसभा चुनाव में शंकर सिंह बतौर लोजपा उम्मीदवार बीमा भारती को हराया था। लोजपा उम्मीदवार शंकर सिंह को तब 25, 717 मत मिले थे। वर्ष 2010 विधानसभा चुनाव में बीमा भारती से शंकर सिंह हार गए थे। इन्हें तब 27, 171 मत मिले जबकि बीमा भारती को 64, 887 मत मिले थे। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में शंकर सिंह को 34, 783 मत मिले थे। वर्ष 2020 के विधानसभा में शंकर सिंह निर्दलीय लड़े पर बीमा भारती से हार गए। तब बीमा भारती को 64, 374 मत मिला और शंकर सिंह को 44,994 मत मिला। बिहार के रुपौली विधानसभा उपचुनाव में विजयी निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह का कहना है कि यह जीत जनता की जीत है। जनता ने दिल खोलकर आशीर्वाद दिया। उपचुनाव में मिली जीत से खुश शंकर सिंह ने कहा कि वे 30 सालों से जनता के बीच राजनीति नहीं, उनकी सेवा कर रहे हैं। मैं राजनीति नहीं सेवा करता हूं। जाति समीकरण से जुड़े हुए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मैंने कभी जाति की राजनीति नहीं की, जमात की राजनीति की। मुझे जीत को लेकर पूरा विश्वास था। छह चक्र तक की मतगणना में भले पीछे था, लेकिन मैं जानता था कि मेरी जीत होगी। पक्ष और विपक्ष द्वारा पूरा जोर लगाए जाने के बाद भी जीत से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पक्ष विपक्ष नहीं होता। इससे कोई लेना -देना नहीं, जनता मेरे लिए सबकुछ है। राजनीतिक पंडितों के अनुसार रुपौली में भी राजद का माय यानी (मुस्लिम-यादव) समीकरण पूरी तरह ध्वस्त हो गया। जिस तरह पूर्णिया लोकसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं ने पप्पू यादव का समर्थन किया था, इसी प्रकार रूपौली विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं ने इस बार राजद का साथ छोड़कर शंकर सिंह को अपना भरपूर समर्थन दिया और रुपौली से पांच बार विधायक रहीं बीमा भारती को हरा दिया। रुपौली विधानसभा और पूर्णिया लोकसभा के चुनाव परिणाम ने राजद के वोट बैंक के दावे को आईना दिखा दिया है, क्योंकि रुपौली विधानसभा के सामाजिक और जातिगत समीकरण जदयू के कलाधर मंडल और राजद की बीमा भारती के अनुकुल था।

## सूक्ति

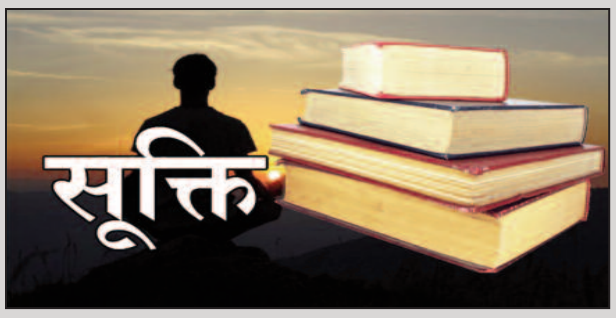


संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है।

- महर्षि वाल्मीकि

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना।

- मार्क ट्वेन

# रूस और ऑस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नई उड़ान

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ-साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व-नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है।

निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत-रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत-रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है।

यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।

एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ-व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो ध्रुवीय विश्व व्यवस्था के बाद एक धुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है। वैसे भी भारत एक बड़े देश के पाले में कभी नहीं रहा। अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है।

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमरीका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें। यही वजह है कि राष्ट्रपति पुतिन को मोदी ने शांति का पाठ पढ़ाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। भारत की इस भूमिका के बीच अब अमरीका भी यह कहने में संकोच नहीं कर रहा है कि भारत को यूक्रेन युद्ध रोकने की पहल करनी चाहिए। फिलहाल शांति के पक्षधर अन्य देश भारत के साथ मिलकर रास्ता खोजने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया का रूस और यूक्रेन के बीच संभावित समझौता वार्ता का मंच बनने की इच्छा जाहिर करना यही बताता है। भारत अहिंसा एवं शांति का हिमायती का देश है और मानता है कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। युद्ध केवल बबार्दी और तबाही लेकर ही आता है। रूस व यूक्रेन के बीच जो सीमा विवाद है वह इन देशों के बीच का मामला है और भारत शुरू से ही कहता रहा है कि इस समस्या का हल केवल बातचीत से ही होना चाहिए। श्री मोदी ने रूस की यात्रा के दौरान भी भारत का यही रुख सामने रखा और स्पष्ट किया कि किसी भी झगड़े को निपटाने का रास्ता केवल वातालर्प ही हो सकता है। श्री मोदी ने रूस से आस्ट्रिया पहुंच कर भी इस रुख को और खोला और कहा कि भोले-भाले लोगों की हत्या कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के सन्दर्भ में इस तथ्य को अमेरिका को ही सबसे पहले समझना चाहिए।

## (चिंतन-मनन)

# कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- ह्यरामायण और महाभारत में क्या अंतर है? विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- ह्यआप ही बताइए अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है हक-हकूक का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता

है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है।

## डीसीआरयूएसटी में पीएचडी के लिए आवेदन किए जाने शुरू

**एजेंसी**

**सोनीपत।** छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में पीएचडी के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। पीएचडी के लिए 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 20 व 21 जुलाई तक प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। डीसीआरयूएसटी के कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रवेश के इच्छुक 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 20 व 21 जुलाई को पीएचडी की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। 29 व 30 जुलाई को पीएचडी के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। एक अगस्त से कोर्स वर्क प्रारंभ हो जाएगा।

पीएचडी में किस विषय में हैं कितनी सीट आर्किटेक्चर 16, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग 9, सिविल इंजीनियरिंग 8, केमिस्ट्री 4, केमिकल इंजीनियरिंग 10, सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन एनर्जी एंड एंवायरमेंट स्टडीज 7, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग 23, लैक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग 28, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 20, मैनेजमेंट 10, मैथमेटिक्स 7, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 17, फिजिक्स 6, विश्वविद्यालय शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पारितोषिक प्रदान करने जा रहा है। प्रत्येक विभाग के एक शोधकर्ता को 15 हजार रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप प्रदान की जाती थी। उसको बढाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया है। अब यह स्कॉलरशिप दो शोधकर्ताओं को मिलेगी।

## रेवाड़ी में बीच बाजार चले लाठी-डंडे, 4 लोग घायल

**रेवाड़ी।** रेवाड़ी शहर में बीती रात पुरानी सब्जी मंडी में दो दुकानदारों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर बीच सड़क वार किए गए, जिसमें 4 लोग घायल हुए हैं। उन्हें रात में ही अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों दुकानदार और उनके करिंदे आपस में एक-दूसरे पर लट्ठ बरसाते हुए नजर आ रहे है। मिली जानकारी के अनुसार, शहर के मेन बाजार में स्थित पुरानी सब्जी मंडी में जगदम्बा आयरन एंड मशीनरी स्टोर के नाम से खुली हार्डवेयर की दुकान का एक नौकर रात करीब साढ़े 8 बजे दुकान के सामने झाड़ू लगा रहा था। इसी दौरान सामने खुली भल्ला लिक्विड शॉप के मालिक ने उसे टोक दिया। व्यापारी का तर्क था कि झाड़ू के कारण धूल उड़ रही है, जिससे अन्य लोगों को परेशानी हो रही है। बस इसी बात को लेकर दोनों व्यापारियों के बीच विवाद पनप गया। पहले आपस में गाली-गलौज हुई। फिर दोनों पक्षों से कुछ अन्य लोग वहां पहुंच गए। इसी बीच एक पक्ष ने लाठी-डंडों से हमला करना शुरू कर दिया। बीच सड़क पर करीब 20 मिनट तक हंगामा चलता रहा। बीच बाजार में लाठी-डंडे चलने से बाजार में भारी भीड़ जमा हो गई। इस हमले में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। उन्हें शहर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद पुलिस की टीम भी जांच के लिए पहुंची। अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। बाजार में हुई इस घटना के कई वीडियो भी वायरल हुए हैं।

## खनन मामले में हरियाणा कांग्रेस नेता सतबीर रतेरा के घर पर ईडी की रेड

**भिवानी ।** हरियाणा के भिवानी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को कांग्रेस नेता के घर छापा मारा। कांग्रेस नेता मास्टर सतबीर रतेरा के घर पर ईडी की रेड चल रही है। बताया जा रहा है कि परिवार के सदस्यों को घर में नजरबंद कर दिया गया है। साथ ही घर के बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता सतबीर रतेरा के घर पर दूसरी बार छापा मारा है। उनके भिवानी के सेक्टर 13 स्थित मकान पर रेड चल रही है। ये कार्रवाई खनन को लेकर की गई है। मास्टर सतबीर रतेरा के तार खनन मामलों से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। ईडी ने कुछ समय पहली ही सतबीर रतेरा की पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इस दौरान ईडी ने उनके यहां रेड भी मारी थी। हालांकि, बुधवार सुबह से ही कांग्रेस नेता के ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। सतबीर रतेरा के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि ईडी के अधिकारी खनन मामले से संबंधित दस्तावेजों के बारे में उनसे पूछताछ कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी दस्तावेज भी ईडी की टीम जब्त कर सकती है। बता दें कि हरियाणा में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस नेता सतबीर रतेरा हरियाणा की बवानीखेड़ा विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी ठोक रहे हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले हुई कांग्रेस नेता मास्टर सतबीर के खिलाफ कार्रवाई ने हरियाणा के राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। फिलहाल ईडी की कार्रवाई को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

## होंडा अमेज कार की टक्कर लगते ही खंभे पर जा चढ़ी थार कार

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम में तेज रफ्तार का कहर अक्सर किसी न किसी की जान ले लेता है। इस बार तेज रफ्तार एक गाड़ी की टक्कर से किसी की जान तो नहीं गई, लेकिन एक गाड़ी बिजली के खंभे पर जा चढ़ी। गोल्फ कोर्स रोड की यह घटना लोगों का दिल दहला देने वाली भी रही और रोमांचक भी। बहुत से लोग इस गाड़ी की वीडियो बनाने में लगे रहे। कुछ लोग खंभे पर चढ़ गाड़ी में सवार युवती को सकुशल बाहर निकालने की जुगत में रहे। कड़ी मशक्कत के बाद युवती को गाड़ी से बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार आंचल गुप्ता नामक युवती महिंद्रा थार गाड़ी चलाते हुए जा रही थी। वह जैसे ही गाड़ी को पेट्रोल पंप की तरफ मोड़ रही थी, इसी बीच एक तेज रफ्तार होंडा अमेज गाड़ी आई और थार में टक्कर मार दी।

# गांवों में शहरों की तर्ज पर करवाए जा रहे हैं विकास कार्य : रणजीत सिंह

### ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह ने किया विभिन्न गांवों का दौरा, सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

**एजेंसी**

**सिरसा।** प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र का समान विकास करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। रानियां हलका में वर्तमान में करोड़ों रुपये के विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं और अनेक कार्य प्रगति पर है। गांवों में पक्की गलियों का निर्माण किया जा रहा है तथा पेयजल व सिंचाई सुविधा को बेहतर किया गया है।

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह गांव मटदादू, सादेवाला, ममेराकलां, नटार आदि गांवों के दौरे के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को सुदृढ़ करने के लिए लगातार काम कर रही है। बीते दिनों मुख्यमंत्री नायब सिंह ने पंचायतों व सरपंचों से जुड़ी काफी घोषणाएं की हैं। अब सरपंच 21 लाख रुपये तक के कार्य स्वयं करवा सकता है। उन्होंने सरपंचों से आह्वान किया कि सरकार की नीतियों का लाभ उठाकर

पंचायतों को सुदृढ़ करें। सभी सामूहिक प्रयास करें, इससे पूरे समाज को लाभ मिलेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार के पास विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है, पूरे राज्य में बिना भेदभाव के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। गांवों के विकास को लेकर किसी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गांवों में शहरों की तर्ज पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

बिजली मंत्री रणजीत सिंह के समक्ष ग्रामीणों ने गलियों, सड़कों व बिजली से संबंधित समस्याएं रखी जिनका उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार जन समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर है। सार्वजनिक कार्यों व समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज शायद ही प्रदेश का ऐसा कोई गांव हो, जहां पर विकास कार्य न करवाए जा रहे हों। सरकार गांवों में विकास कार्यों के लिए ग्रांट उपलब्ध करवा रही है, इसलिए ग्रामीण एकजुट होकर आपसी सहमति से विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करें और विकास कार्य करवाएं।

## सकारात्मक शक्ति को संग्रहित करें: डा. मणिभद्र मुनि महाराज

**एजेंसी**

**सोनीपत।** मानव मिलन के संस्थापक एवं नेपाल केसरी डॉक्टर मणि भद्र मुनि महाराज ने कहा है कि सुख पाने के लिए जीवन में सकारात्मकता जरुरी है, इसलिए सकारात्मक शक्ति को संग्रहित करें। मानव जीवन नकारात्मकता से भरा पड़ा है, किसी के लिए अच्छा सोचना कठिन है, झूठ, पाप और बदला लेने की भावना हमें दुःख ही देती है।

मुनि महाराज मंलगवार को सोनीपत में चातुर्मास के निमित मंगल प्रवेश के अवसर पर ओमेक्स सिटी में आयोजित कार्यक्रम में श्रधालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। महाराज श्री ने कहा कि सुख हमारे भीतर है जबकि हम सुख खोजते हैं वस्तु, व्यक्ति और परिस्थिति में, अज्ञानी व्यक्ति हमेशा दूसरों को दोष देता है, दूसरों को गिराकरना ही बल्कि स्वयं ऊँचा उठने में सुख मिलेगा। जो मिला है उसके लिए प्रभु का धन्यवाद् करो जो नहीं मिला उसकी लालसा दिखाई तो दुःख ही मिलेगा। भद्र मुनि महाराज ने कहा किअनुकूल परिस्थितियों में जयादा खुश नहीं होना चाहिए अन्यथा प्रतिकूल परिस्थितियों मेंदुःख सहने की शक्ति कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन बात-बात पर दुखी होना बंद कर दोगे, उस दिन कोई ताकत तुम्हे दुःख नहीं दे पायेगी। राजीव जैन ने मुनि महाराज ससंघ का सोनीपत में चातुर्मास देने के लिए समाज की तरफ से आभार व्यक्त किया और कहा कि चातुर्मास के दौरान आपके मुखारविंद से निकले उद्बोधनों से यथार्थ में जीने की कला सीखने को मिलेगी। महाराज जी का मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया सलाहकार राजीव जैन एवं कार्यक्रम के आयोजक राकेश जैन ने शॉल भेंट कर स्वागत किया। पुनीत जी महाराज, साध्वी सर्जना और अनुजा ने भी धर्मभाव से भरे गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। त्रिशला जैन ने पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन, जैन स्थानक प्रधान महावीर प्रसाद जैन, त्रिलोक चंद जैन, मानव मिलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुसुम जैन का स्वागत किया।

## छह महीने से पेयजल सप्लाई न आने से गुस्साए नागरिकों ने किया प्रदर्शन

**एजेंसी**

**हिसार।** हांसी में चल रहे पेयजल संकट से गुस्साए नागरिकों ने प्रदर्शन करके अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से दो दिन का समय मांगा है। पेयजल किल्लत से गुस्साए न्यू सुभाष नगर, काठ मंडी रोड व जगन्नाथ मंडी कालोनी की महिलाओं व पुरुषों ने पूर्व पार्षद जयबीर सिहाग के नेतृत्व में लघु सचिवालय में प्रशासन, जनस्वास्थ्य विभाग तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसडीएम मोहित महराना को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना है कि उनकी कालोनी में पिछले 6 महीनों से पानी सप्लाई का पानी नहीं आ रही है। उनके क्षेत्र में जमीनी पानी खारा है और उसी खारे पानी से गुजारा करना पड़ रहा है।

न्यू सुभाष नगर कालोनी निवासी राजबाला ने बताया कि उनके वार्ड नं 17 में पिछले 6 महीनों से जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाने वाली सप्लाई का पानी नहीं आ रहा हैं। पानी की मांग पर जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगा चुके हैं और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा हर बार

जल्द पेयजल सप्लाई बहाल करवाने का आश्वासन देकर वापस घर भेज देते हैं। विभाग के अधिकारियों को शिकायत करने पर एक-दो दिन पानी आता हैं। और उसके बाद फिर से उन्हें नलके के खारे पानी का सहारा लेना पड़ता हैं। राजबाला ने बताया की खारे पानी से कालोनी के अधिकांश लोग एलर्जी, चर्म रोग व अन्य बिमारियों की चपेट आ चुके हैं। इस अवसर पर एसडीएम मोहित महराणा ने कालोनी के लोगों से पेयजल समस्या के समाधान के दो दिन का समय मांगते हुए कहा कि दो दिन में उनकी पेयजल समस्या का समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जल्द पब्लिक हेल्थ के जेई को कालोनी भेजेंगे और जरुरत पड़ी तो वे स्वयं भी निरीक्षण करने जाएंगे। एसडीएम से दो दिन में समस्या के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारी संतुष्ट नजर आए।

## 30-30 वर्ग गज के प्लाट देकर सरकार ने गरीबों से किया मजाकः सैलजा

**बीपीएल परिवार 13 हजार रुपये प्रतिमाह की किस्त कहां से जमा करवाएगा, कांग्रेस शासन में गरीबों को दिए गए थे 100-100 गज के प्लाट मुफ्त**

**एजेंसी**

**सिरसा।** सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार गरीबों, किसानों, युवाओं और कर्मचारियों के साथ मजाक करने में लगी हुई है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को जहां 100-100 वर्ग गज के प्लाट निश्शुल्क दिए जाने थे अब उन्हें एक एक लाख रुपये लेकर 30-30 वर्ग गज के प्लाट दिए जा रहे हैं जो किस्तों में देने होंगे। मकान बनाने के लिए ब्याज पर 6 लाख तक का ऋण उपलब्ध करवाने की बात कही गई है। ऐसे में गरीब परिवार किस्त के रूप में कम से कम 13000 रुपये कैसे जमा करवाएगा। सरकार ने प्लॉट के नाम पर उलझाकर रख दिया है। जब उसके पास पैसों की व्यवस्था नहीं होगी तो उसे प्लाट छोड़ना होगा।

यहां जारी बयान में सांसद

कुमारी सैलजा ने कहा है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 11 शहरों में गरीबों को जिनकी आय 1.80 लाख से कम है, उन्हें हाउसिंग फार ऑल योजना के तहत 30 वर्ग गज के प्लॉट दिए जाने की घोषणा की थी। इस योजना के तहत प्रोविजनल आवंटन पत्र प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर 10 हजार रुपये और शेष 80 हजार रुपये छह किस्तों में जमा करवाने होंगे। शर्त के अनुसार प्लाट धारक को आवंटन के एक साल के भीतर आवासीय इकाई का निर्माण करना होगा और 24 माह के भीतर निर्माण पूर्ण करना होगा। प्लॉट का उपयोग केवल आवास निर्माण के लिए करना होगा, आवंटन की तिथि से 10 साल तक न तो प्लॉट को बेचा जा सकेगा और न ही पट्टे पर दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि शर्तानुसार लाभार्थी बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से घर निर्माण के लिए ब्याज पर 6 लाख रुपये तक के गृह ऋण की सुविधा दी जाएगी।

## काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती, भूपेंद्र हुड्डा कालाबाजारी करने वाले लोग : कर्णदेव कंबोज

**एजेंसी**

**भिवानी।** भाजपा के पूर्व मंत्री और हरियाणा ओबीसी मोर्चे के अध्यक्ष कर्णदेव कंबोज ने राहुल गांधी व भूपेंद्र हुड्डा पर बड़ा हमला बोला है। महेंद्रगढ़ में 16 जुलाई को होने वाली अमित शाह की रैली का निमंत्रण देने भिवानी पहुंचे कर्णदेव कंबोज ने राहुल गांधी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने लोगों को संविधान खत्म करने का डर दिखाया, महिलाओं के खाते में 8500 रुपये प्रति माह खटाखट डालने का लालच दिया, इसके चलते भाजपा 400 पार नहीं कर पाई।

हरियाणा की दस में से पांच सीटों पर मिली हार पर उन्होंने कहा

कि चुनाव में पूरा विपक्ष एक हो गया, झूठ का तूफान चलाया गया था। विधानसभा चुनाव में लोग कांग्रेस को उसकी औकात दिखा देंगे। काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती।

विधानसभा चुनाव को लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा पेंशन, गैस सिलेंडर, फ्री मकान देने वाले वादों पर उन्होंने कहा कि ये कालाबाजारी करने वाले लोग हैं। लोग भूले नहीं हैं कि इनके राज में सिलेंडर को लेकर घंटो लाइनों में लगना पड़ता था। ये लोग सिर्फ़ झूठ बोल कर वोट बटोरते हैं। इन लोगों ने जनता के हित में कोई काम नहीं किया। साल 2023 में सरपंचों, कर्मचारियों और आशा वर्कर द्वारा अपनी मांग उठाने पर बरसाई गई लाठियों को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी समस्याएं सरकार के पास विचाराधीन हैं, जल्द ही कोई कोई निर्णय आएगा।

बता दें कि हरियाणा में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। एक तरफ भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है।

## भाविप शाखा सिरसा ने मनाया परिवार मिलन समारोह

**एजेंसी**

**सिरसा।** भारत विकासपरिषद शाखा सिरसा द्वारा परिवार मिलन समारोह का आयोजन शाखा अध्यक्ष प्रमोद मोहन गौतम के मार्ग दर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश गर्ग ने की। प्रसिद्ध चिकित्सक डा. भावना अग्रवाल, डा.अनुज डुमरा तथा डा. भारत भूषण विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। जिला समन्वयक अशोक गुप्ता ने आए हुए अतिथियों का मंच से अभिवादन किया। प्रांतीय उपाध्यक्ष हरिओम भारद्वाज ने भारत विकास परिषद के द्वारा किए जा रहे कार्यों से सबको अवगत करवाया। कार्यक्रम में सविता बंसल,हरिओम भारद्वाज तथा छगन लाल सेठी द्वारा बक्कचों के लिए हनुमान चालीसा पर, महिलाओं के लिए रामायण परएवं पुरुषों के लिए गीता पर आधारित अत्यंत रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को हरबंस नारंग, डा.भावना अग्रवाल तथा मखन लाल गोयल ने पुरस्कृत किया। क्रिकेट तथा बचपन की यादें ताजा करते हुए टायर चलाने की रोमांचकारी प्रतियोगिता आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। अशोक सिंगला की देख रुख में संपन्न हुए क्रिकेट मैच में टीम मनोज भारत व टीम हर्ष मरोदिया के बीच प्रतिस्पर्धात्मक रोमांच चर्म पर रहा।

## झूठ उगल रहे कांग्रेस नेताओं के मुंह पर चुनावों में जनता ही ताला लगाने का काम करेगी : असीम गोयल

**एजेंसी**

**पंचकूला।** भाजपा कार्यालय पंचकमल में पंचकूला और कालका विधानसभा के चुनाव संचालन समिति की दो महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा की अध्यक्षता में हुई। अंबाला लोकसभा चुनाव के संयोजक व राज्य परिवहन मंत्री असीम गोयल, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की कोषाध्यक्ष लतिका शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की और लोकसभा चुनाव के दौरान प्राप्त हुए अनुभवों को भी साझा किया। बैठक में दोनों विधानसभाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे। चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में असीम गोयल ने पदाधिकारियों को चुनावी मंत्र दिया और लक्ष्य के साथ-साथ जिम्मेदारियों व समन्वय के साथ काम कैसे काम करना है इसके बारे में भी बताया। गोयल ने पदाधिकारियों से पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियानों और योजनाओं का फीडबैक लिया तथा चुनाव से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव के लिए आह्वान करते हुए कहा है कि पंचकूला जिला की दोनों सीटों पर कमल खिलाने के

लिए कृत संकल्पित होकर काम करें। उन्होंने दावा करते हुए आप लोगों की कड़ी मेहनत और जनता के आशीर्वाद से चुनाव जरूर जीतेंगे। बैठक में परिवहन मंत्री असीम गोयल ने कहा कि विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के लक्ष्य को लेकर हमें काम करना है। प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को जिताएगी, क्योंकि लोगों को बीजेपी के विकास के विजन पर भरोसा है। नायब सरकार हर वर्ग का विकास कराने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी हर रोज जनहित में नए-नए कदम उठाकर बिना भेदभाव किए जनसेवा कर रहे हैं। ये बातें असीम गोयल ने पार्टी कार्यालय पंचकमल में चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में कही। गोयल ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झूठ उगल रहे कांग्रेस नेताओं के मुंह पर चुनावों में जनता ही ताला लगाने का काम करेगी। इस बैठक में पंचकूला और कालका विधानसभा के चुनाव प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया। असीम गोयल ने कहा कि छह दशक बाद ऐसा हुआ है कि देश के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की मोदी सरकार बनाई है। देश और प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की योजनाओं और नीतियों से खुश है। हरियाणा में पारदर्शी शासन से खुश लोग तीसरी बार प्रदेश में कमल खिलाने का काम करेंगे। गोयल ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में जो झूठ बोलकर लोगों को भ्रमित करने का पाप किया है। कांग्रेस के इस पाप की सजा विधानसभा चुनाव में जनता देने के लिए तैयार है।

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने भी पदाधिकारियों से आगामी चुनाव को लेकर सुझाव भी मांगे। गुप्ता ने कार्यकर्ताओं की मन की बात भी सुनी। बैठक में गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने संविधान और आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाया। राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल लगाना संविधान पर सीधे हमले का सबसे बड़ा और काला अध्याय था। अपने फायदे के लिए कांग्रेस ने कई बार संविधान को बदला है।

## भूपेंद्र हुड्डा को विधानसभा चुनाव में अपनी ही टिकट की गारंटी नहीं - अजय चौटाला

**एजेंसी**

**झज्जर।** हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जेजेपी सुप्रीमो अजय चौटाला झज्जर में कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया और आगामी चुनाव में पार्टी की रणनीति के बारे में जानकारी दी।

अपने संबोधन में अजय चौटाला ने पूर्व सीएम चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि दूसरे पार्टी के लोग जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं। वे सही मुद्दे को लेकर लोगों के बीच आएं। उन्होंने कहा कि हम अपने पार्टी के नीति और कार्यक्रम लोगों के बीच पहुंचा रहे हैं। हम जो करते हैं, सार्वजनिक रूप से करते हैं।

उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के 60 पार का नारा लगा रहे हैं। लेकिन यह नारा बीजेपी के ÷75 पार और 400 पार÷ वाले नारे की तरह फ्लॉप होगी। भूपेंद्र हुड्डा को विधानसभा चुनाव में अपनी ही टिकट की कोई गारंटी नहीं है। हुड्डा को प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी की चमचागिरी करनी है और वेणुगोपाल की चप्पल उठानी है। इससे अधिक पार्टी में उनका कोई योगदान नहीं है।

उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में उनकी पार्टी नवीन जयहिंद का साथ देने के लिए तैयार है, शर्त यह है कि नवीन जय हिंद के पास जरूरी 10 विधायकों का समर्थन हो। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के पास ज्यादा सीटें हैं, इसलिए उसे राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार उतारना चाहिए, तभी जेजेपी उनके साथ आ सकती है।चौटाला ने कहा कि हम लोग प्रदेश भर में पार्टी की मजबूती के लिए दौरे कर रहे हैं और पार्टी की नीतियां आम जनता तक पहुंचा रहे हैं। दूसरे दल के लोग जनता के बीच भ्रम फैला कर सत्ता हथियाने का प्रयास कर रहे हैं।विधानसभा चुनाव में जननायक जनता पार्टी का किसी दूसरे दल से समझौता होने की संभावना के सवाल का जवाब देते हुए अजय चौटाला ने कहा कि परिस्थिति के हिसाब से निर्णय करेंगे।

## मंदिर की सफाई करने चढ़े युवक की करंट से मौत

**हिसार।** गांव पायल में करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वह मंदिर की सफाई करने के लिए उपर चढ़ा था कि उसका सिर 11 हजार वोल्ट की तार से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर आजाद नगर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया।

बताया जा रहा है कि गांव पायल का लगभग 22 वर्षीय नवीन कुमार शादीशुदा था। वह गांव के रामदेव मंदिर में सफाई करने के लिए गया था। बरसात के मौसम को देखते हुए वह मंदिर में बने कमरे की छत पर चढ़कर सफाई करना चाहता था। जैसे ही वह छत पर चढ़ा तो कमरे के ऊपर से 11 हजार वोल्टेज बिजली की लाइन को उसका सिर टच हो गया। नवीन को जोरदार झटका लगा और बिजली का करंट लगने से उसकी मौत हो गई। जोरदार धमाका सुनने पर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और मामले की सूचना पुलिस को दी।

# विस अध्यक्ष ने किया सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण

**एजेंसी**

**पंचकूला।** हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने मंगलवार को अपने विधान सभा क्षेत्र पंचकूला के गांव मानक्या, कोट और नगल के सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मानक्या स्कूल में अनेक प्रकार की अनियमितताएं मिलीं, जिनके कारण स्कूल मुखिया भारती गुप्ता को निलंबित करने के निर्देश जारी कर दिए। गुप्ता ने कहा कि इन स्कूलों में पढ़ने वाले नौनिहाल हमारे देश का भविष्य है, उनके हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। इस मौके पर मौजूद डीईओ संध्या धिक्कारा समेत तमाम अधिकारियों को हिदायत दी कि वे वातानुकूलित कमरों से बाहर निकल स्कूलों पर ध्यान दें। विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता मंगलवार को शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ हलके के गांव मानक्या के मिडिल स्कूल पहुंचे। वहां उन्होंने स्कूल प्रबंधन समिति के साथ मिड डे मील का राशन चेक किया। इस दौरान 300 किलो चावल में कीड़े पड़े हुए थे। 60 किलो आटा खराब मिला। 87 किलो मिल्क पाउडर भी एक्सपायर्ड था। स्कूल प्रबंधन समिति के प्रधान गुरमीत सिंह व सदस्यों ने इस राशन को डिस्पोज ऑफ कर दिया। इस स्कूल का वाटर कूलर खराब था और टॉयलेट भी कंडम दिखाई दिए। कुछ टॉयलेट नए बनाए गए थे, लेकिन वे भी बदतर मिले। स्कूली बच्चों ने बताया कि उन्हें गत तीन माह से ठंडा पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। स्कूल में मिली इस प्रकार की अनियमितताओं के कारण विधान सभा अध्यक्ष ने स्कूल मुखिया भारती गुप्ता को निलंबित करने के निर्देश दिए। इस संबंध में विधान सभा अध्यक्ष ने शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा से भी बात की बताया गया कि भारती गुप्ता इस प्रकार की अनियमितताओं के आरोप में पहले भी चार्जशीट हो चुकी हैं। उनके खिलाफ 4 जुलाई को मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी थी। अब स्कूल मुखिया का कार्यभार विज्ञान अध्यापिका नीलम को दिया गया है।

# अभाविप ने 76वें स्थापना दिवस पर दिल्ली में आयोजित किये विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर द्वारा विद्यार्थी परिषद का 76वां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। सबसे पहले विभाग कार्यालय पर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर स्मिता झा के द्वारा ध्वजारोहण किया गया उसके बाद विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रमुख रूप से राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 76 वर्षों की यात्रा ध्येय यात्रा विद्यार्थी परिषद की ऐतिहासिक जीवन गाथा का गौरव व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यकर्म को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कला मंच की जिला संयोजक कोमल कुमारी ने बताया कि देश को समृद्धि युक्त और संस्कारिक नई दिशा की ओर अग्रसर करने का सपना साकार करने के लिए देश के महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय परिसरों को अपना केंद्र बनाकर गतिविधियां प्रारंभ की गई। इन्हीं देशव्यापी गतिविधियों का खुला मंच

9 जुलाई 1949 को विधिवत एक छात्र संगठन के रूप में पंजीकृत हुआ, जिसे आज पूरा विश्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नाम से जानता है ।

विभाग संयोजक अनुपम कुमार झा ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ-साथ देश के सर्वांगीण विकास की चुनौती भी खड़ी हुई। सदियों की पराधीनता के कारण देश की प्रतिभा पर गहरा मालिन्य चढ़ा हुआ था। ऐसे समय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भारत का एक ऐसा छात्र संगठन स्थापित हुआ जो विश्व की प्राचीनतम सभ्यता और महान संस्कृति से प्रेरित होकर भारत को एक शक्तिमान समृद्धशाली एवं स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में पुनर्निमित कर विश्व कल्याण का भाव रखने वाले नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के भव्य लक्ष्य से प्रतिबद्ध हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के व्यापक संदर्भ में कार्य करने का लक्ष्य सामने रखकर अखिल भारतीय छात्र संगठन के रूप में समाज जीवन के सभी क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ किया।

शिक्षा परिवार की सामूहिक अंतर्निहित शक्ति में विश्वास रखकर रचनात्मक कार्य में छात्रों के कर्तव्य का संयोजन करने एवं दलगत राजनीति से ऊपर रहकर रचनात्मक दृष्टिकोण से सभी विषयों को देखने वाला यह छात्र संगठन छात्र-छात्राओं के सम्मुख देश को सर्वोपरि रखने का पक्षधर है विद्यार्थी परिषद ने सन 1971 के राष्ट्रीय अधिवेशन में अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए कहा छात्र कल का ही नहीं आज का भी नागरिक है वह केवल शैक्षिक जगत का ही घटक नहीं वरन देश का एक जिम्मेदार नागरिक है।

अभाविप ने सबसे आहान किया कि छात्र शक्ति को उपद्रवी शक्ति ना माने यह राष्ट्रशक्ति है और उद्घोष किया। छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति परिषद ने यह भी कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने की जगह उन्हें सम्मान पूर्ण स्थान देने की आवश्यकता है।

राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय अध्यक्ष विक्की चौधरी ने सभी छात्र-छात्राओं को विद्यार्थी परिषद की स्थापना दिवस राष्ट्रीय छात्र दिवस की शुभकामना प्रेषित करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

# खडगे ने उन्नाव सड़क दुर्घटना पर जताया शोक

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में सड़क दुर्घटना में कई लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री खडगे ने कहा यूपी के उन्नाव में, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 18 लोगों की मृत्यु होने का समाचार बेहद दुखद है। हम पीड़ितों के शोकाकुल परिवारों को अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते है। हादसे के घायल सभी लोगों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रशासन से अनुरोध है कि पीड़ितों की सहायता में कोई कमी न रखें। उन्होंने इंडिया गठबंधन की कार्यकर्ताओं से पीड़ितों को मदद करने का अग्रह करते हुए कहा इंडिया गठबंधन पार्टियों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि पीड़ितों को हर संभव मदद पहुँचाएँ।

# आंतकवादी घटनाएं रोकने के लिए सरकार कड़े कदम उठाएः पम्मा

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहन पर हमला कर पांच जवानों के शहीद को लेकर देशभर में काफी रोष है। नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने सरकार से कड़े कदम उठाने की अपील की है। श्री पम्मा ने कहा पाकिस्तान फिर से जम्मू कश्मीर और पंजाब का माहौल खराब करके देश का माहौल बिगाड़ना चाहता है। जिस प्रकार लगातार आतंकवादी हमारे जवानों पर हमला कर रहे हैं उसके खिलाफ सरकार को सख्त कदम उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पहले भी एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था कुछ ऐसी ही कार्रवाई करने की जरूरत है नहीं तो फिर से आंतकवादी अपना पैर जमाने में सफल हो जाएंगे।

# युद्ध भी हम हैं, बुद्ध भी हम हैं: सर्व हिंदू समाज

**नई दिल्ली।** सर्व हिंदू समाज ने कहा है कि हिंदुओं की सहनशीलता और बंधुत्व की भावना को कमजोरी न समझा जाए, क्योंकि 'युद्ध भी हम हैं और बुद्ध भी हम हैं।' संसद में हिन्दुओं को हिंसक बताने तथा उन्हें अपमानित करने के विरोध में सर्व हिंदू समाज की ओर से कांस्टीट्यूशन क्लब में हिन्दू शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को विभिन्न वक्ताओं ने संबोधित किया।

# एलजी दिखाएं मानवता, महीनों से सड़कों पर बैठे बस मार्शलों की नौकरी करें बहाल: आम आदमी पार्टी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी ने महीनों से सड़कों पर बैठे बस मार्शलों की नौकरी बहाल करने की उपराज्यपाल से अपील की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजीव झा ने कहा कि बस मार्शल गरीब परिवारों से आते हैं, अब उन्हें परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

संजीव झा ने कहा कि एलजी को इन बस मार्शलों के परिवार को ध्यान में रखते हुए मानवता के आधार पर उनकी नौकरी बहाल कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एलजी के आदेश पर ही 10 हजार बस मार्शलों की नियुक्ति रद्द की गई थी। फरवरी 2024 में बस मार्शलों की सेवाएं जारी रखने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पास कर एलजी को भेजा गया था। इसके बावजूद उनकी बहाली नहीं हुई। एलजी से अपील है कि अगर राजनैतिक बदला लेना है तो आम आदमी पार्टी से लीजिए। बस मार्शलों ने आपका क्या बिगाड़ा है ? आम आदमी पार्टी के नेता कुलदीप कुमार ने भी एलजी से बस मार्शलों की नौकरी बहाल करने की अपील की है।

# मामूली कहासुनी में दो युवकों को मारी गोली

**नई दिल्ली।** उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में मामूली कहासुनी को लेकर गली में बैठे दो युवकों को बदमाशों ने गोली मार दी। उनमें से भाग रहे एक बदमाश को पीड़ितों ने स्थानीय लोगों की मदद से दबोच लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों और पकड़े गए आरोपित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक की पहचान न्यू जाफराबाद निवासी 19 वर्षीय उमर और न्यू सीलमपुर झुग्गी बस्ती निवासी 35 वर्षीय वसीम के तौर पर हुई है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना सुबह 01:55 बजे मिली थी। शिकायतकर्ता उमर ने बताया कि वह गली के ब्लॉक, सीलमपुर में बैठा था, तभी दो व्यक्ति वहां आए। उनमें कहासुनी हुई, जिसके बाद एक व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी। पुलिस ने बताया कि हमलावर को मौके पर ही पकड़ लिया गया लेकिन उसका साथी भाग गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 42 वर्षीय आजाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ चोरी और झपटमारी के 5 केस दर्ज हैं। उसके पास से 7.65 एमएम की पिस्तौल बरामद की गई है। अभी भी फरार चल रहे आरोपित की पहचान जाहिद (40) के रूप में हुई है। उसके खिलाफ झपटमारी का एक मामला दर्ज है। उमर के बयान पर नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 3(5) बीएनएस और 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

# रूस में ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे बिरला

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में गुरूवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय दसवें ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे।

इस शिष्टमंडल में राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, राज्य सभा सदस्य शंभू शरण पटेल, लोक सभा के महासचिव, उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव पी.सी. मोदी शामिल हैं। लोक सभा सचिवालय में संयुक्त सचिव अंजनी कुमार शिष्टमंडल के सचिव हैं। दसवें ब्रिक्स संसदीय मंच का मुख्य विषय 'समान वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करने में संसदों की भूमिका' है।

इस दौरान होने वाली बैठकों में ब्रिक्स देशों और आमंत्रित देशों अर्थात् अजरबैजान, आर्मिनिया, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिज गणराज्य, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के अध्यक्ष, संसद सदस्य और अंतर-संसदीय संघ की अध्यक्ष सुश्री तुलिया एक्सन भाग लेंगी।

लोक सभा अध्यक्ष पूर्ण अधिवेशन के दौरान दो उप-विषयों 'ब्रिक्स संसदीय आयाम- अंतर-संसदीय सहयोग को मजबूत करने की संभावनाएं' और 'बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के विखंडन का सामना करने और वैश्विक संकटों के परिणामों से संबंधित खतरों पर काबू पाने में संसदों की भूमिका' पर अपने विचार व्यक्त करेंगे ।

राज्य सभा के उपसभापति पूर्ण अधिवेशन के दौरान दो उप-विषयों 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की प्रणाली की कार्यकुशलता बढ़ाने और इसका लोकतंत्रीकरण सुनिश्चित करने में संसदों की भूमिका' तथा 'मानवीय और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अंतर-संसदीय सहयोग' पर फोरम को संबोधित करेंगे। शिखर सम्मेलन के समापन पर एक संयुक्त वक्तव्य पारित किया जाएगा।

# सरकार घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में सुधार के लिए प्रतिबद्ध : रक्षा सचिव

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि सरकार रक्षा उत्पादन में और सुधार करने तथा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए जरूरी 'उद्योग 4.0, क्यूए 4.0' की अवधारणा को लागू करके ईको-सिस्टम को अधिक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री अरमाने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के सहयोग से गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) द्वारा गुणवत्ता सुधार पर वर्चुअल माध्यम से आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में मुख्य भाषण दे रहे थे। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के महत्व का उल्लेख करते हुए रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हांसिल करने की आवश्यकता और इस दृष्टिकोण को साकार करने में सभी हितधारकों, विशेष रूप से घरेलू रक्षा उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। सेमिनार में 250 से अधिक रक्षा

उद्योगों के प्रतिनिधियों, एसआईडीएम, फिक्की, एसोचैम, पीएचडी सीसीआई, सेवा मुख्यालय, डीपीएसयू के सीएमडी, सरकारी क्यूए एजेंसियों, स्टार्ट-अप और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने भाग लिया। डीजीक्यूए के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल आर एस रीन ने व्यापार में आसानी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए डीजीक्यूए द्वारा किए गए विभिन्न गुणवत्ता पहल और सुधारों पर प्रकाश डाला।

# हिन्दू मंदिरों और तीर्थ स्थलों के क्षेत्रों से मुस्लिम दुकानें बंद हों : विहिप

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** विश्व हिन्दू परिषद ने मांग की है कि हिन्दू मंदिरों और तीर्थ स्थलों के क्षेत्रों से मुस्लिम दुकानें बंद होनी चाहिए। विहिप के केन्द्रीय महामंत्री श्री बजरंग बागड़ा ने आज कहा कि हमें अनेक स्थानों से जानकारी मिली है कि वहाँ जो लोग भारत माता की जय या वंदे-मातरम् भी नहीं बोल सकते और मूर्ति पूजा के विरोधी हैं, वे छद्म नामों से या हिन्दू देवी देवताओं के नामों से या हिन्दू आस्था केंद्रों के नाम से हमारे धर्म स्थलों पर प्रसाद व पूजा सामग्री बेच रहे हैं। देश भर से अनेकों प्रत्यक्ष ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जहां सब्जियों सहित अन्य खाद्य एवं पेय सामग्रियों पर थूक कर पहले उन्हें अपवित्र किया जाता है तत्पश्चात हिन्दू श्रद्धालुओं को बेचा जाता है, इससे हिन्दुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। विहिप महामंत्री ने कहा कि देश के अनेक तीर्थों में भगवान के भोग, श्रंगार व अर्पण इत्यादि से जुड़ी अनेक वस्तुओं को मुस्लिम समाज के लोग अपवित्र कर बेच रहे हैं, जो

कि हिन्दू आस्था के साथ खिलवाड़ है, जिसे अविलम्ब रोका जाना जरूरी है।विश्व हिन्दू परिषद सभी राज्य सरकारों से मांग करती है कि वे हिन्दू मंदिरों व धर्मस्थलों की पवित्रता को बनाए रखने हेतु मजहबी धोखेबाजों के विरुद्ध तुरंत प्रभावी कदम उठाएं जिससे समाज की आस्था व विश्वास को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे। साथ ही हम हिंदू समाज से भी अपील करते हैं कि ऐसे धर्म द्रोहियों से सावधान रह कर उन्हें बेनकाब करें और स्थानीय शासन प्रशासन को समय पर सूचित करें।

# रिज क्षेत्र में बिना अनुमति काटे गए सैकड़ों पेड़ों के सबूत मिटा रहा डीडीएः सौरभ

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** दिल्ली सरकार की तीन मंत्रियों वाली फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने छतरपुर के रिज क्षेत्र का दौरा कर काटे गए 1,100 पेड़ों का निरीक्षण किया। कमेटी के सदस्य और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि रिज क्षेत्र में बिना मंजूरी काटे गए पेड़ों के सबूत डीडीए मिटा रहा है। यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट की मनाही के बाद भी यहां सड़क बनाने का काम भी चल रहा है। इस दौरान कमेटी की सदस्य और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और इमरान हुसैन भी मौजूद रहे।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यहां साफ दिख रहा है कि सड़क को चौड़ा करने के नाम पर सतबरी वन क्षेत्र में सैकड़ों पेड़ों को काटा गया है। वन क्षेत्र के बीचों-बीच से लेकर सार्क चौक तक एक पूरी नई सड़क बनाई

गई है। सुप्रीम कोर्ट की मनाही के बाद भी यहां बुलडोजर से काम चल रहा है। यह इसलिए है क्योंकि सबूत मिटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सड़क के एक तरफ बड़े लोगों के फार्महाउस हैं और दूसरी तरफ घना जंगल है, लेकिन सड़क चौड़ी करने के लिए फार्म हाउस की जमीन लेने के बजाय वन क्षेत्र से हजारों पेड़ काट दिए गए। सौरभ भारद्वाज ने एलजी पर निशाना साधते हुए कहा कि, एलजी साहब यहां कई बार आए हैं। सवाल यह है कि वो यहां क्या करने आए थे? आतिशी ने कहा कि दिल्ली के रिज क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं, यह चिंताजनक है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा सही तथ्यों को छुपाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने पाया है कि अधिकारी सही जानकारी देने के बजाए बहाने बना रहे हैं। वो कागज नहीं दे रहे हैं और बैठकों में भी नहीं आ रहे हैं। इससे साफ है कि अधिकारियों को किसी को बचाने के लिए ऊपर से आदेश दिए जा रहे हैं।

# डॉ. सौम्या स्वामीनाथन राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम की प्रमुख सलाहकार नियुक्त

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** प्रोफेसर डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में प्रमुख सलाहकार नियुक्त किया गया है। उन्हें जन कल्याण के आधार पर राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि प्रोफेसर स्वामीनाथन राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्य हासिल करने के लिए समग्र कार्यनीति के बारे में तकनीकी परामर्श प्रदान करेंगी। वे अनुकूलतम परिणाम हासिल करने के लिए नीति-निर्देश और आवश्यक उपाय तथा अनुसंधान रणनीति सुझाएंगी। वे विश्वभर से शीर्ष प्रतिभाशाली विशेषज्ञों के समूह का गठन करने में भी सहायता करेंगी। डॉक्टर सौम्या इस कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के स्वास्थ्य अधिकारियों तथा विकास

साझेदारों की सहायता करेंगी। प्रोफेसर स्वामीनाथन विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक हैं और उन्होंने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक के रूप में भी काम किया है।

# प्रधान ने राज्यों से की सहयोगात्मक शिक्षा प्रणाली के निर्माण में मिलकर काम करने की अपील

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन का महत्वपूर्ण स्तंभ करार देते हुए राज्यों से सहयोगात्मक शिक्षा प्रणाली विकसित करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

श्री प्रधान ने आज यहां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की समीक्षा बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए देशभर में स्कूली शिक्षा के समग्र विकास के लिए अगले पांच वर्षों के रोडमैप के बारे में अपने विचार साझा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन का एक प्रमुख स्तंभ है। इस दौरान उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लगभग चार वर्षों के दौरान देश में शिक्षा के इकोसिस?टम ने जबरदस्त प्रगति की है। राष?ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान और समावेशी पहुंच को सक्षम बनाने की कुंजी है।

इस बैठक में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, अपर सचिव विपिन कुमार तथा आनंदराव वी. पाटिल, मंत्रालय के अन्य अधिकारी, कई राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिव, सचिव तथा राज्य परियोजना निदेशक एवं निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और अन्य विभागों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारतीय भाषाओं में शिक्षा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मातृभाषा और सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षा के महत्व पर जोर देती है। उन्होंने एनईपी की मूल भावना अर्थात शिक्षा तक पहुंच, समानता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा,÷ भारत एक युवा देश है और हमारी चुनौती 21वीं सदी की दुनिया के लिए वैश्विक नागरिक तैयार करना है, जो तेजी से बदल रही हैं, क?योंकि यह सदी प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित हो रही है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें, जो जमीनी और आधुनिक दोनों ही हो।÷

उन्होंने समग्र दृष्टिकोण के साथ विद्यालयों में प्रौद्योगिकी तत्परता और छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया।श्री प्रधान ने कहा कि राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को शिक्षा के इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए काम करना चाहिए। साथ ही सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को शिक्षा सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ाने के लिए एक टीम के रूप में काम करना चाहिए।श्री प्रधान ने हमें रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी कौशल क्षमताओं को भी बढ़ाना चाहिए।

# खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस पर सरकार ने बढ़ाया 5 साल का प्रतिबंध

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (स्न्न्छ्र) पर लगे प्रतिबंध को भारत सरकार ने पांच साल के लिए और बढ़ा दिया है. बता दें कि इस संगठन को अमेरिका में रहने वाला भारत विरोधी खालिस्तानी वकील गुरपतवंत सिंह पन्नू चलाता है. केंद्रीय गृहमंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर कहा कि स्न्न्छ्र को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए पांच साल के लिए और प्रतिबंधित किया जाता है.

अधिसूचना में आगे कहा गया है कि केंद्र सरकार की राय है कि सिख फॉर जस्टिस उन गतिविधियों में लिप्त है, जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं. यह संगठन पंजाब और अन्य जगहों पर राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में शामिल है. संगठन का उद्देश्य भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करना है. एसएफजे पर तीखी टिप्पणी करते हुए गृह मंत्रालय ने कहा है कि यह संगठन आतंकवादी संगठनों और कार्यकर्ताओं के साथ निकट संपर्क में है. स्न्न्छ्र भारतीय क्षेत्र से एक संप्रभु खालिस्तान बनाने के लिए पंजाब और अन्य जगहों पर उग्रवाद और हिंसक रूप का समर्थन कर रहा है.

बता दें कि भारत में स्न्न्छ्र के संरक्षक गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं. पिछले साल एजेंसी ने पंजाब और चंडीगढ़ में उसकी संपत्तियों को भी अपने कब्जे में ले लिया था. इससे पहले भारत सरकार ने जुलाई 2019 में सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगाया था, जिसके बाद इस साल यह प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई गई है.

साल 2007 में खालिस्तानी चरमपंथी गुरवंत सिंह पन्नू ने सिख फॉर जस्टिस संगठन बनाया, जिसका मकसद सिखों के लिए अलग देश की मांग है. ये लगातार कई अलगाववादी अभियान चलाता रहा, जो पंजाब को भारत से आजाद कराने की बात करता है, संगठन सिर्फ भारत के पंजाब को अलग करने की मांग करता है, पाकिस्तान पर उसने कभी बात नहीं की. साल 2018 में सिख फॉर जस्टिस ने भारत से पंजाब के अलग होने पर एक जनमत संग्रह की बात की थी, जिसमें दुनियाभर के सिखों के शामिल होने की अपील थी।

# ऑस्ट्रेलियाई ईसाई मिशनरी हत्याकांडः सजा माफी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का ओडिशा को नोटिस

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने ऑस्ट्रेलियाइई ईसाई मिशनरी ग्राहम स्टुअर्ट स्टेन्स और उनके दो नाबालिग बेटों की साल 1999 में हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बजरंग दल के कार्यकर्ता रहे रवींद्र कुमार पाल उर्फ दारा सिंह की सजा माफी याचिका पर ओडिशा सरकार को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की दलीलें सुनने के बाद ओडिशा सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले में छह सप्ताह में अगली सुनवाई करेगी।

दारा सिंह ने 24 साल जेल की सजा काटने को आधार बताते हुए अपनी सजा माफी की गुहार लगाई है। उन्होंने तर्क दिया कि उन्हें अपने अपराधों का पश्चाताप है, क्योंकि उस समय वे 'मुगलों और अंग्रेजों द्वारा भारत पर किए गए बर्बर कृत्यों से व्यथित थे।' उत्तर प्रदेश के निवासी दारा सिंह को कुष्ठ रोग पीड़ितों के लिए काम करने वाले 58 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई ईसाई मिशनरी स्टेन्स और उनके दो बेटों - फिलिप (10 वर्ष) और टिमोथी (6 वर्ष) को

जिंदा जला कर हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। यह घटना 21 और 22 जनवरी 1999 की रात मनोहरपुर-बारीपदा के एक जंगल में हुई थी। स्टेन्स अपनी जीप में सो रहे थे, तभी उन पर हमला किया गया था।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के रहने वाले दारा सिंह ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि राज्य (ओडिशा) के संबंधित अधिकारियों ने उनकी सजा में छूट और समय से पहले रिहाई के लिए भेजे गए कई आवेदनों पर गौर करने में विफल रहे, जिससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त उनके अधिकार को खतरा पैदा हो गया।

क्योंझर जिला जेल में बंद याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उसकी उम्र 60 साल से अधिक है। वह 19 अप्रैल 2022 की सजा छूट नीति में निर्धारित योग्य अवधि यानी 14 साल की सजा पहले ही काट चुका है।

# भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रक्षा सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रक्षा तथा सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) की अबू धाबी में हुई 12वीं बैठक में दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण, संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा औद्योगिक सहयोग, विषय वस्तु आदान-प्रदान, अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग के बारे में विस्तृत चर्चा की। दोनों पक्षों ने समुद्री सुरक्षा सहित क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचार-विमर्श किया और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने एक-दूसरे के अनुभव और ज्ञान का लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में यात्राओं

के आदान-प्रदान पर भी बात की। उनके बीच विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षण के अवसरों के पारस्परिक आदान-प्रदान पर भी सहमति बनी।भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद ने किया। संयुक्त अरब अमीरात की ओर से ब्रिगेडियर जमाल इब्राहिम मोहम्मद अलमाजरूकी ने बैठक की सह-अध्यक्षता की। श्री प्रसाद ने संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय में सहायक अवर सचिव अली अब्दुल्ला अल अहमद से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने रक्षा मंत्रालय की तवाज़ुन आर्थिक परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ भी सार्थक बातचीत की। संयुक्त रक्षा सहयोग समिति का गठन 2006 में किया गया था और अब तक इसकी 11 बैठकें हो चुकी हैं।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक धुरन्धर चौहान द्वारा मूलनिवासी प्रिंटिंग प्रेस, मकान नं. 21 व 22, ब्लॉक, आर-3/ए-3, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 से मुद्रित तथा कार्यालय 'धुरन्धर टाइम्स' डी-405, ब्लॉक-डी मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110083 से प्रकाशित किया। किसी भी कानूनी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा। RNI : DELHIN/2016/71837 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। विवादास्पद केवल दिल्ली में होंगे।